

2/1/26

पञ्चावली देव्य इत्ये पञ्चावली नर लक्ष्मणस्य
सद्वद इति मये पञ्चावली का विवलयस्य विना
जगत् । इत्यस्य सौमित्रा न क्व अस्ति ।
इत्यस्य विना 34/2017 अवधानी इति इति
सुखी सुखम् कर्तुं नये । नये नर विना

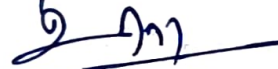


तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

जाल देल विवेकन लिता ह्य

वकील उली की कपकलि कस्य क
मनन लिता जता । पञ्चवनी का डायरेक्शन लिता
जता। उ० न० ११२९ व १५१ सीपीटी
स्विकार लिता जाणर उरुका सेवक ३५/२०१७
उरुका सीबुइटीन बनाम कली अप्पार क
उन! नेबर पर लिता जाणर की र रजिस्टर
लिता जाये। पञ्चवनी सेमल शुभार सेवक नेबर
न क्त विजय दायिक उरुका ही इरुका हुका
अन


उपस्थित अधिकारी
करौली (सप०)